जिम्मेदार बेखबर

गौशालाओं में भोजन-पानी का अभाव, मवेशी भूख-प्यास से तड़प रहे

शहर में आवारा मवेशियों की समस्या बनी गंभीर, ननि की हांकागैंग दावों में सक्रिय

नवभारत,कटनी। शहर की सड़कें, कॉलोनियां और बाजार क्षेत्र इन दिनों आवारा मवेशियों की समस्या से बुरी तरह प्रभावित हैं। नगर निगम द्वारा प्रतिदिन हांका-गैंग टीम के माध्यम से 8 से 10 मवेशियों को पकड़कर गोशालाओं में भेजने का दावा तो किया जा रहा है, लेकिन वास्तविकता इसके बिल्कुल उलट सामने आ रही है। न तो सड़कों से मवेशी पूरी तरह हटे हैं और ना ही गौशालाओं में उनके लिए उचित भोजन-पानी का इंतजाम है। झिंझरी और अमीरगंज स्थित गोशालाओं में इन मवेशियों को अस्थायी रूप से रखा जाता है, लेकिन व्यवस्थाओं की हालत इतनी बदहाल है कि मवेशी भूख-प्यास से परेशान दिखाई देते हैं। कर्मचारियों द्वारा गोशाला में चारा और पानी की पर्याप्त व्यवस्था तक नहीं की जा रही है।

अमीरगंज क्षेत्र की गोशाला में वर्तमान में करीब 25 से 30 मवेशी रखे गए हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, गोशाला कर्मचारी दिन के समय इन मवेशियों को खुला छोड़ देते हैं, जिसके बाद वे आसपास के क्षेत्रों में विचरण करते रहते हैं। शाम को यह मवेशी वापस गोशाला लौट आते हैं, लेकिन गोशाला के भीतर उन्हें न तो भूसा मिलता है और न ही पर्याप्त पानी। स्थिति यह है कि कई बार मवेशी भूख की वजह से कचरा पात्रों और खेतों की ओर भी भटकते देखे गए हैं, जिससे शहर में अव्यवस्था और बढ़ जाती है।

सड़क सुरक्षा पर खतरा बरकरार- नगर निगम द्वारा दावा किया जा रहा है कि आवारा मवेशियों को लगातार पकड़ा जा रहा है, लेकिन शहर की प्रमुख

सड़कों पर सांड और गाय अभी भी बेखौफ घूमते नजर आते हैं। वाहनों के बीच अचानक मवेशियों के आने से दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ गई है। रात के समय अंधेरे में मवेशियों के कारण दोपहिया वाहन चालक अक्सर फंस जाते हैं। कई बार स्कूल जाने वाले बच्चों को भी रास्ते बदलकर निकलना पड़ता है। इन परिस्थितियों ने लोगों के मन में असंतोष और नाराजगी दोनों ही बढ़ा दिए हैं।पूर्व में भी सामने आ चुकी हैं मवेशियों की मौत की घटनाएं- अमीरगंज और झिंझरी गोशालाओं में अव्यवस्थाओं के कारण पूर्व में भी कई मवेशियों की मौत की खबरें सामने आ चुकी हैं। बावजूद इसके नगर निगम प्रशासन ने स्थिति सुधारने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए। न तो नियमित निरीक्षण हो रहा है और न ही चारा-पानी की सप्लाई में किसी तरह का सुधार देखने को मिला है। संबंधित जनप्रतिनिधि और अधिकारी इस संवेदनशील विषय पर गंभीरता नहीं दिखा रहे हैं। थोड़ा बहुत भूसा से काम चला या जा रहा है। नगर निगम के दावों और हकीकत के बीच बड़ा अंतर- हांका-गैंग के अधिकारी प्रतिदिन कार्रवाई का दावा करते हैं, लेकिन शहरवासियों का कहना है कि यदि कार्रवाई प्रभावी होती तो सड़कों पर सांडों और आवारा मवेशियों की संख्या कम होती। वहीं गोशालाओं में रह रहे मवेशियों की हालत बिगड़ती नज़र आ रही है। शहरवासियों की मांग है कि गोशालाओं में व्यवस्था नगर निगम सुधारे। नागरिकों का मानना है कि केवल पकड़ने से समस्या हल नहीं होगी, गोशालाओं में साफ-सफाई, चारा, पानी और चिकित्सा सुविधा को बेहतर किया जाना जरूरी है, नियमित मॉनिटरिंग और जवाबदेही सुनिश्चित की जाए, मवेशियों की सुरक्षा और देखभाल को प्राथमिकता दी जाए, शहरवासी नगर निगम से मांग कर रहे हैं कि आवारा मवेशियों की समस्या का स्थायी समाधान निकाला जाए और गौशालाओं की व्यवस्थाओं को सुधारकर मवेशियों को बेहतर सुविधा प्रदान की जाए।

इनका कहना है

शहर में लगातार मवेशियों को पकड़कर सुरक्षित गौशाला में भिजवाया जा रहा है। गौशाला में मवेशियों के लिए पर्याप्त मात्रा में भूसा आदि की व्यवस्था कराई जाएगी। लापरवाही बरतने वालों पर कार्रवाई की जाएगी।

तपस्या परिहार
आयुक्त ननि

जेल पुलिस कर्मी की संदिग्ध भूमिका

नवभारत,कटनी। जिला जेल की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल तब उठ खड़े हुए जब स्थानीय नागरिक रवि नागवानी ने बुधवार को कलेक्टर को विस्तृत लिखित शिकायत सौंपते हुए जेल के भीतर चल रही अवैध गतिविधियों का खुलासा किया। शिकायत में सुरक्षा कर्मी राजभान दुबे को प्रमुख आरोपी बताया गया है, जिन पर आरोप है कि वे वर्षों से चयनित कैदियों को सुविधाएं दिलाने, प्रतिबंधित सामग्री सप्लाई कराने और पैसों के अवैध लेन-देन में सक्रिय भूमिका निभाते हैं। शिकायतकर्ता के अनुसार कैदियों से पैसा लेकर पान मसाला, तंबाकू, गुटखा, सिगरेट जैसी प्रतिबंधित सामग्री अंदर पहुंचाई जाती है। कुछ सुरक्षा कर्मियों और अपराधियों के बीच गहरी सेटिंग बनी हुई है, जिसके चलते कैदियों को मनचाही सुविधाएं उपलब्ध होती हैं। जेल अधीक्षक स्तर पर भी इन गतिविधियों पर कोई सख्त कार्रवाई नहीं हो रही, जिससे अवैध गतिविधियां फलती-फूलती जा रही हैं। कलेक्ट्रेट में शिकायत पहुँचने के बाद जेल प्रशासन हरकत में आया।

जेल अधीक्षक प्रभात चतुर्वेदी ने कहा सोशल मीडिया के माध्यम से प्राप्त शिकायत में अब तक ठोस तथ्य सामने नहीं आए हैं। एक स्टाफ पर आरोप लगे हैं। मामले की विस्तृत जांच कराई जाएगी और दोषी पाए जाने पर कार्रवाई की जाएगी। जेल में पूरी तरह चौकसी बरती जा रही है। कटनी जिला जेल में पूर्व में भी प्रतिबंधित सामग्री की सप्लाई से जुड़े मामले उजागर हो चुके हैं कभी चप्पल में मोबाइल छिपाकर जेल पहुँचाने तो कभी बच्चों के खिलौनों में तंबाकू-गुटखा भरकर भेजने जैसी घटनाएं सामने आई थीं, जिन्हें स्टाफ ने पकड़ा भी था, लेकिन इससे जेल व्यवस्था पर लगातार सवाल उठते रहे हैं। नवीन शिकायत में लगे आरोप एक बार फिर संकेत देते हैं कि जेल स्टाफ और बंदियों के बीच अवैध गठजोड़ की जड़ें गहरी हैं। यदि उच्चस्तरीय जांच ईमानदारी से की गई तो कई संवेदनशील परतें खुलने की संभावना है।

सीआरपीएफ जवान की मैगजीन और कारतूस चोरी मामले में तीन गिरफ्तार

संयुक्त पुलिस टीम की बड़ी कार्रवाई

नवभारत,कटनी। रेल पुलिस अधीक्षक सिमाला प्रसाद के निर्देशन में जीआरपी, आरपीएफ और सिटी पुलिस की संयुक्त कार्रवाई ने सीआरपीएफ जवान की मैगजीन व कारतूस चोरी के गंभीर मामले का खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। यह चोरी 21 नवंबर 2025 को ट्रेन क्रमांक 00411 इलेक्शन ड्यूटी स्पेशल ट्रेन में हुई थी।

फरियादिया प्रतिक्षा सुधाकर ने जीआरपी में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि यात्रा के दौरान सीट पर रखा गया मैगजीन पाउच—जिसमें एक मैगजीन, एक मैगजीन कारतूस

तथा साथी हिरलबेन की एक मैगजीन (20/20 राउंड कारतूस सहित) थी—अज्ञात चोरों द्वारा चुरा लिया गया। मामला अत्यंत संवेदनशील होने के कारण पुलिस ने तत्काल अपराध दर्ज कर जांच शुरू की। गिरफ्तार आरोपी अजय उर्फ अजना निषाद, अजय उर्फ अज्जू निषाद, लकी निषाद (सभी निवासी आधारकाप, कटनी) संयुक्त टीम ने आज 23 नवंबर 2025 को तीनों आरोपियों से इन्सास रायफल की चोरी गई 2 मैगजीन और 35 राउंड कारतूस बरामद किए। बरामद सामग्री की कीमत लगभग 4,500 आंकी गई है। कार्रवाई जीआरपी थाना प्रभारी निरीक्षक एल.पी. कश्यप एवं उपनिरीक्षक अनिल मरावी के मार्गदर्शन में की गई।

तीन आरोपी अब भी फरार

पुलिस ने बताया कि इस मामले में तीन अन्य आरोपी फरार हैं। उनकी गिरफ्तारी और शेष चोरी गई सामग्री की बरामदगी के लिए विशेष टीमें गठित की गई हैं तथा लगातार सर्च अभियान जारी है।

नर्मदा बरगी परियोजना के हाल : पडखुरी-महरहाई सलैया मार्ग की सिंचाई नहर जर्जर

नहर निर्माण की बड़ी खामी उजागर, आठ महीने में ध्वस्त होने लगीं नहरें

नवभारत, कटनी। नर्मदाबरगी परियोजना के तहत पडखुरी से महरहाई सलैया तक बनाई गई छोटी नहर की गुणवत्ता को लेकर बड़े सवाल उठ खड़े हुए हैं। महज आठ महीने पहले तैयार की गई यह नहर जगह-जगह से टूटना शुरू हो गई है। नहर की दीवारों के दरकने और पानी के रिसाव ने न केवल किसानों को चिंता में डाला है बल्कि पूरे परियोजना की गुणवत्ता पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा दिए हैं।

स्थानीय किसानों ने बताया कि नहर का निर्माण पूरा हुए एक वर्ष भी नहीं हुआ है, लेकिन कई

स्थानों पर नहर की दीवारें दरकने, टूटने और ढहने लगी हैं। पानी का रिसाव बढ़ने से नहर का उपयोग खतरे में पड़ गया है और भविष्य में इसके पूरी तरह नष्ट होने की आशंका है। ग्रामीणों का कहना है कि सिंचाई व्यवस्था के लिए यह नहर बेहद महत्वपूर्ण है, लेकिन इतनी जल्दी क्षतिग्रस्त होना निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल खड़े कर रहा है।

घटिया सामग्री का हो रहा उपयोग-नहर निर्माण में बड़े पैमाने पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए ग्रामीणों ने बताया काली गिट्टी की जगह लाइम स्टोन गिट्टी का उपयोग किया गया। इस प्रकार की गिट्टी पानी में जल्दी गल जाती है और मजबूत संरचना नहीं बन पाती। निर्माण के दौरान न तो गुणवत्ता परीक्षण हुआ और न ही निगरानी। इसके चलते नहर की मजबूती बेहद कमजोर हुई और संरचना कुछ ही महीनों में जर्जर होने लगी।

किसानों की सिंचाई व्यवस्था पर असर-यह नहर आसपास के गांवों और खेतों की सिंचाई के लिए महत्वपूर्ण है। नहर की खराब स्थिति से किसानों की फसलें प्रभावित हो सकती हैं। ग्रीष्मकाल और रबी सीजन में पानी की कमी का संकट खड़ा हो सकता है, और पूरे क्षेत्र में सिंचाई व्यवस्था अस्त-व्यस्त हो सकती है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि नहर निर्माण की तत्काल जांच कराई जाए। निर्माण एजेंसी या ठेकेदार के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए। घटिया निर्माण में शामिल अधिकारियों और तकनीकी कर्मचारियों की भी जवाबदेही तय हो। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द सुधारात्मक कदम नहीं उठाए गए, तो आगामी सिंचाई सीजन में किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है।

रविवार को भी ननि की हेल्पडेस्क सक्रिय

मतदाताओं की गणना प्रपत्र संबंधी शंकाओं का त्वरित समाधान

नवभारत,कटनी। निर्वाचक नामावली के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत मतदाताओं की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए नगर निगम प्रशासन द्वारा रविवार के अवकाश दिवस में भी हेल्पडेस्क सेवाएँ पूरी तरह सक्रिय रखी गईं। निगमायुक्त तपस्या परिहार के निर्देश पर संचालित यह विशेष व्यवस्था नागरिकों के लिए बड़ी राहत साबित हुई।

नगर निगम मुख्यालय तथा जोन कार्यालयों में स्थापित हेल्पडेस्क पर तैनात कर्मचारियों ने पूरे दिन समर्पण और दक्षता के साथ कार्य करते हुए मतदाताओं द्वारा भरे जाने वाले स्क्रूक्रगणना प्रपत्र से संबंधित सभी शंकाओं का समाधान किया। कर्मियों ने प्रत्येक आवेदक का मार्गदर्शन करते हुए उनके प्रपत्रों को सही, पूर्ण और त्रुटिरहित ढंग से भरवाने में सहयोग प्रदान किया।

निगम प्रशासन का यह निरंतर प्रयास न केवल मतदाता सूची को अधिक सटीक और अद्यतन बनाने में सहायक है, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हो रहा है। हेल्पडेस्क सेवाओं की यह सक्रियता नागरिकों में भरोसा बढ़ाने और सहभागिता सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभा रही है।

सांसद खेल महोत्सव का शुभारंभ 25 को, जिला कार्यालय में हुआ पोस्टर का विमोचन

नवभारत,कटनी। सांसद खेल महोत्सव के शुभारंभ से पहले नगर में उत्साह का माहौल तेज़ हो गया है। आज रविवार को भाजपा जिला कार्यालय परिसर से महोत्सव के प्रचार-प्रसार हेतु तैयार किए गए प्रचार वाहनों को भाजपा नेताओं ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जिले भर में महोत्सव की जानकारी और जागरूकता के उद्देश्य से इन वाहनों को विभिन्न प्रमुख मार्गों व वार्डों में भेजा गया है। साथ ही सांसद खेल महोत्सव का आधिकारिक पोस्टर भी विमोचित किया गया। आगामी 25 नवंबर को कटनी के दीनदयाल खेल परिसर में सांसद खेल महोत्सव का भव्य शुभारंभ होगा। इस आयोजन में अंतराष्ट्रीय पैरा तैराक डॉ सतेंद्र सिंह

लोहिया भी शामिल होंगे।

भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक टण्डन ने बताया कि सांसद खेल महोत्सव के आयोजन के मुख्य अतिथि केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री के एल मुरूगन होंगे। जबकि अध्यक्षता प्रदेश के परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री और कटनी जिले के प्रभारी मंत्री उदय प्रताप सिंह करेंगे। खेल महोत्सव का भव्य आगाज खजुराहो कटनी सांसद विष्णुदत्त शर्मा के संयोजन में विशिष्ट अतिथि के तौर पर वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री दिलीप अहिरवार तथा अंतरराष्ट्रीय पैरा तैराक डॉ सतेंद्र सिंह लोहिया भी उपस्थित रहेंगे। वहीं विधायक विजयराघवगढ़ संजय सत्येन्द्र पाठक, विधायक मुड़वारा संदीप जायसवाल, बहोरीबंद विधायक प्रणय पाण्डे , सहित अरविंद पटेरिया, बृजेन्द्र प्रताप सिंह, प्रहलाद लोधी, राजेश वर्मा , महापौर श्रीमती प्रीति सूरी, निगमाध्यक्ष मनीष पाठक, जिलाध्यक्ष दीपक टंडन , चन्द्रभान सिंह गौतम, बृजेन्द्र मिश्रा (डब्बू) भी मौजूद रहेंगे। कार्यक्रम को लेकर तैयारियाँ जोर पकड़ चुकी हैं। इसी क्रम में भाजपा जिला कार्यालय में समीक्षा बैठक आयोजित हुई, जिसमें महोत्सव की रूपरेखा, व्यवस्थाओं, तथा जिम्मेदारियों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक के दौरान सांसद खेल महोत्सव का आधिकारिक पोस्टर भी विमोचित किया गया। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक टण्डन ने कहा कि कटनी के लिए यह बड़ा गौरव का अवसर है कि सांसद खेल महोत्सव का शुभारंभ यहां से हो रहा है। उन्होंने कहा कि यह महोत्सव जिले की उभरती खेल प्रतिभाओं के लिए एक सुनहरा मंच सिद्ध होगा। हमें सामूहिक रूप से अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए इस आयोजन को ऐतिहासिक बनाना है। जिले में लगातार बढ़ते उत्साह के बीच अब सभी की निगाहें 25 नवंबर को होने वाले भव्य शुभारंभ पर टिकी हैं, जहां हजारों खिलाड़ियों और नागरिकों की उपस्थिति में यह भव्य आयोजन शुरू होगा।

अवैध वैंडर काट रहे चांदी, रेलवे को हो रही राजस्व की हानि

नवभारत,कटनी। मुडवारा रेलवे स्टेशन पर अवैध वेंडिंग का खेल खुलेआम जारी है। जानकारी के अनुसार, स्टेशन परिसर में कई पुराने स्टॉलों को बंद कर दिया गया था, लेकिन इन स्टॉलों से जुड़े वेंडर अब भी बिना अनुमति के सामान बेच रहे हैं। बताया जा रहा है कि यह वेंडर राजेंद्र सिंह भदौरिया और नमन के नाम से जुड़े हैं, जो रेलवे की अनुमति के बिना स्टेशन परिसर में खानपान सामग्री की बिक्री कर रहे हैं। स्थानीय सूत्रों का कहना है कि यह पूरा अवैध वेंडिंग कारोबार स्थानीय अधिकारी और आरपीएफ कर्मियों के संरक्षण में चल रहा है। अधिकारियों की मौन स्वीकृति और उदासीनता के कारण स्टेशन परिसर में वेंडिंग माफिया सक्रिय हैं। नतीजा यह है कि रेलवे को राजस्व की भारी हानि हो रही है और स्टेशन परिसर में अनुशासनहीनता और अस्वच्छता बढ़ रही है।

स्टॉल बंद, पर वेंडिंग जारी- रेलवे ने हाल ही में स्टेशन पर कई स्टॉलों को बंद किया था, लेकिन बंद स्टॉलों के वेंडर अब भी बिना लाइसेंस और बिना कार्ड के

स्टेशन पर घूम-घूमकर वस्तुएं बेच रहे हैं। एमपीएस स्टॉल में वेंडर कार्डधारी कुछ विक्रेता कच्चे खाद्य पदार्थ जैसे केला, समोसा, आलू बंडा, अंडा, चावल आदि की खुले में बिक्री कर रहे हैं, जिससे स्वच्छता और सुरक्षा मानकों का उल्लंघन हो रहा है। यात्रियों की सुविधा पर असर- अवैध वेंडिंग के कारण स्टेशन परिसर में भीड़, गंदगी और अव्यवस्था बढ़ती जा रही है। यात्रियों का कहना है कि इन वेंडरों के कारण प्लेटफार्म पर आवाजाही में बाधा होती है और खाने-पीने की वस्तुओं की गुणवत्ता पर भी संदेह रहता है। स्थानीय नागरिकों और यात्रियों ने रेलवे प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग की है ताकि स्टेशन परिसर को अवैध वेंडिंग से मुक्त कराया जा सके और अधिकृत विक्रेताओं को ही व्यापार की अनुमति दी जाए। मामले की गंभीरता के बावजूद रेलवे प्रशासन अब तक मौन है। न तो आरपीएफ की ओर से कोई कार्रवाई की गई और न ही वाणिज्य विभाग ने हस्तक्षेप किया। ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि आखिर कब तक यह अवैध वेंडिंग का खेल यूं ही चलता रहेगा, और कब रेलवे यात्री सुविधा एवं राजस्व की रक्षा के लिए ठोस कदम उठाएगा।

सौंदर्यीकरण पर सवाल | **दो माह बाद भी ठेकेदार ने नहीं लगवाईं डेकोरेटिव लाइटें**

35 लाख 50 हजार रुपए की लाइटें लगाते ही हो गई थीं खराब

नवभारत,कटनी। शहर के दो वार्डों, बीडी अग्रवाल वार्ड और गुरुनानक वार्ड में नगर पालिक निगम द्वारा 35 लाख 50 हजार रुपए की लागत से लगाए गए पोल डेकोरेटिव रिंग लाइटें अब भी सवालों के घेरे में हैं। नगर के सौंदर्यीकरण और प्रकाश व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से अगस्त-सितंबर माह में लगाई गई ये लाइटें चालू होते ही खराब होने लगीं थीं। बाद में अधिकारियों ने हरकत में आते हुए ठेकेदार द्वारा लगाई गई घटिया लाइटों को उतरवाया। अब दो माह बाद भी ठेकेदार ने लाइटें बदलने का काम नहीं किया।

नगर निगम के सहायक यंत्री आदेश जैन, उपयंत्री मोना करेरा ने अक्टूबर माह में जांच में पाया कि ठेकेदार गणेश प्रसाद त्रिपाठी द्वारा

लगाए गए रिंग लाइट मानक अनुरूप नहीं थे। जांच रिपोर्ट के आधार पर निगम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सभी डेकोरेटिव लाइटों को पोल से हटवा दिया। 6 अक्टूबर को निगम अधिकारियों ने दावा किया था कि निविदाकार को नए मानक अनुरूप रिंग लाइट लगाकर कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दे दिए गए हैं, लेकिन अबतक कोई काम नहीं हुआ। गलत स्थान पर लगे पोल-पोल लगाने में भारी अनियमितता और लापरवाही सामने आई है। कई स्थानों पर सड़क के किनारे पर्याप्त जगह होने के बावजूद पोल सीधे सड़क के बीचोबीच गाड़ दिए गए।

इससे यातायात बाधित होने की स्थिति बन रही है और अस्थाई अतिक्रमण की आशंका बढ़ गई है। पोल लगाने में एकरूपता का अभाव रहा, कहीं पोल बहुत पास लगाए गए, तो कहीं बहुत दूर। स्थानीय निवासियों के विरोध और आपत्तियों के बावजूद निगम के अधिकारियों ने जल्दबाजी और मनमानी में पोल गाड़े। परिणामस्वरूप शहर का सौंदर्यीकरण प्रभावित हो रहा है और लाखों रुपए व्यर्थ जाते दिख रहे हैं। नियम-कायदों की अनदेखी- सिविल लाइन क्षेत्र के बीडी अग्रवाल वार्ड में कई लाइटें पेड़ों की डालियों के बीच लगा दी गई हैं, जिससे प्रकाश सड़क तक पहुंच ही नहीं सकेगा। गणेश चौक क्षेत्र में तारों और लकड़ियों के मकड़जाल के बीच लाइटें लगाई गई हैं, जो निगम की कार्यप्रणाली और ठेकेदार की मनमानी की पोल खोलती हैं। स्टेशन चौराहा से सुभाष चौक मार्ग पर भी कहीं पोल बीच सड़क पर, कहीं किनारे, तारें कहीं सड़क के ऊपर से, कहीं आड़ी-तिरछी कार्यशैली पूरी तरह अव्यवस्थित दिखाई देती है। इन लाइटों को लगे डेढ़ माह से अधिक हो गया है, लेकिन अब तक इन्हें चालू नहीं किया जा सका है। जिम्मेदार नहीं दे रहे ध्यान-करीब दो माह बीत जाने के बाद भी ठेकेदार ने नई लाइटें नहीं बदलीं। निगम अधिकारी कभी सैंपल जांच की बात कहते हैं, तो कभी ठेकेदार पर दोष मढ़ दिया जाता है। परिषद की बैठक में मामला जोरदार तरीके से उठा, लेकिन न तो जनप्रतिनिधियों ने कोई ठोस पहल की और न ही अधिकारियों ने कोई जवाबदेही तय की। कटनी के मुख्य मार्गों पर अव्यवस्थित तरीके से किए जा रहे सौंदर्यीकरण कार्यों ने नगर निगम की कार्यशैली पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा दिए हैं।

सोनोग्राफी सेंटर में नहीं सुविधाएं, कतार में खड़ी रहती हैं गर्भवती

थककर फर्श पर बैठना मजबूरी

नवभारत, कटनी। जिला अस्पताल के सोनोग्राफी सेंटर गर्भवती व बीमार महिलाओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। प्रतिदिन सोनोग्राफी न होने के कारण जिस दिन सोनोग्राफी हो रही है उस दिन महिलाओं की भीड़ बढ़ जाती है। सेंटर के बाहर जगह पर्याप्त न होने से महिलाओं को मजबूरीवश कतार में खड़े होना पड़ता है तो वहीं कई महिलाएं मजबूरीवश फर्श में बैठ जाती है। अस्पताल प्रबंधन द्वारा यहां मरीजों के अनुपात में बैठक व्यवस्था के इंतजाम नहीं किए गए हैं। यहां अव्यवस्थाएं हावी है। यही हाल अन्य ओपीडी के बाहर भी है। टोकन सिस्टम बंद होने से मरीजों को कतार लगाने मजबूर होना पड़ता है। मरीज बीमारी के चलते जमीन पर बैठने मजबूर हो जाते हैं।

धर्मलोक हॉस्पिटल
A unit of Dharmlok Hospital Pvt. Ltd.
AN ISO 9001 : 2015 CERTIFIED

दूरबीन से पित्त की पथरी की सर्जरी, दूरबीन से अपेंडिक्स सर्जरी, दूरबीन से ओपन पेट की सर्जरी, उन्नत तकनीक (स्टेपलर/लेटर) के फिस्टुला सर्जरी, स्तन सर्जरी, किडनी/ प्रोस्टेट/मूत्राशय सर्जरी, मधुमेह पैर की देखभाल/सर्जरी, तीव्र और जीर्ण घाव प्रबंधन।

डॉ. राजेश बत्रा
एम.एस., एफ.एम.ए.एस., एफ.आई.ए.जी.ई.एस., एफ.ए.आई.एस.
जनरल और लैप्रोस्कोपिक सर्जन

डॉ. हर्षा बत्रा
एमडी (ओबीजी) सोनोग्राफी डिप्लोमा
स्त्री, प्रसूति एवं बांझपन विशेषज्ञ

सामान्य एवं सिजेरियन डिलीवरी, अंडेदानी की गठान, उच्च जोखिम वाली गर्भावस्था, निःसंतानता, बच्चेदानी निकालना, सफेद पानी का इलाज, गर्भवती महिलाओं की सोनोग्राफी, बार-बार गर्भपात होना, पॉलिसिस्टिक ओवेरियन डिजीज/सिंड्रोम।

आयुष्मान कार्डधारी मरीजों का एवं हेल्थ इंश्योरेंस कार्ड धारी मरीजों का निःशुल्क इलाज किया जाता है।
ओपीडी सुबह 11:00 बजे से सायं 5:00 बजे तक

पता-आदर्श कालोनी रोड, कटनी (म.प्र.)
Ph. 07622-422390, 796084 Help line 24x7: 8305402024